साप्ताहिक

# नीमच हेडलाइन्स

पंजियन क्रमांक – mphin / 2018/ 76962

संस्थापक – स्व॰ इन्द्रदेव जी जाजपुरा संपादक अविनाश जाजपुरा

वर्ष -03 | अंक - 19 | बुधवार 08 / 09 / 2020 | पृष्ठ - 4 | मूल्य - 5 रूपए

**covid-19 update**

| NMH मे सन्क्रमित | MP मे सन्क्रमित | IND मे सन्क्रमित | WRD मे सन्क्रमित |
|---|---|---|---|
| 1406 | 16961 | 884605 | 4280422 |

## सम्पादकीय

## कोरोना को जितने में जनता का सहयोग जरूरी

*कोरोना वायरस का बढ़ता प्रकोप यही बता रहा है कि हाल-फिलहाल उससे छुटकारा मिलने वाला नहीं। बीते २४ घंटे में जिस तरह ६० हजार से अधिक कोरोना के नए मरीज मिले और कुल मामलों की संख्या ४१ लाख से अधिक हो गई, उससे भारत ब्राजील से आगे निकल गया, जो कोरोना मरीजों के लिहाज से अमेरिका के बाद दूसरे नंबर पर था। यद्यपि भारत में कहीं अधिक आबादी है और कोरोना मरीजों की बढ़ती संख्या जनसंख्या के अनुपात में ही देखी जानी चाहिए, लेकिन यह तो चिंताजनक है ही कि करीब छह माह बाद भी कोरोना मरीजों की संख्या में गिरावट का सिलसिला कायम होता नहीं दिखता। जब तक यह सिलसिला कायम नहीं होता, तब तक यह कहना कठिन है कि देश में कोरोना के काबू में आने की सूरत कब बनेगी? फिलहाल ऐसी कोई सूरत बनती इसलिए भी नहीं दिख रही है, क्योंकि जिन कुछ शहरों में कोरोना मरीजों की संख्या में गिरावट देखी जा रही थी, वहां उनकी तादाद फिर से बढ़ने लगी है। कोरोना को तो हारना ही है, लेकिन कोशिश यह होनी चाहिए कि उस पर जल्द काबू पाया जाए। यह कोशिश केवल केंद्र और राज्यों के साथ उनकी विभिन्न् एजेंसियों को ही नहीं करनी, बल्कि आम जनता को भी करनी है। सब जान रहे हैं कि कोरोना से बचाव का उपाय सेहत के प्रति सतर्कता, एक-दूसरे से दूरी बनाकर रखना और मास्क का इस्तेमाल करना है, लेकिन इसके बावजूद लापरवाही देखने को मिल रही है। सबसे हैरानी की बात यह है कि मास्क का इस्तेमाल करने से या तो बचा जा रहा या फिर उसका ढंग से इस्तेमाल नहीं किया जा रहा। कुछ ऐसी ही स्थिति सार्वजनिक स्थलों पर एक-दूसरे से दूरी बनाकर रखने के मामले में भी देखने को मिल रही है। यह जान-बूझकर खतरे की चपेट में आने वाला काम है। निरूसंदेह कोरोना से डरने की जरूरत नहीं, लेकिन इसका यह भी मतलब नहीं कि आवश्यक सावधानी का परिचय देने से इन्कार किया जाए। चूंकि ऐसा किया जा रहा है, इसलिए कोरोना काबू में आता नहीं दिखता। समझना कठिन है कि लोगों को मास्क का सही इस्तेमाल करने में क्या परेशानी है? यह संतोष की बात अवश्य है कि कोरोना मरीज तेजी से ठीक हो रहे हैं और मृत्यु दर में गिरावट जारी है, लेकिन आखिर इसकी अनदेखी क्यों की जा रही है कि करीब ७० हजार लोग काल के गाल में समा गए हैं और इनमें वे भी हैं जिन्हें कोई गंभीर बीमारी नहीं थी? अच्छा हो कि लोग यह समझें कि यदि उनकी ओर से अपेक्षित सावधानी नहीं बरती गई तो कोरोना पर लगाम लगाने की कोशिशों पर पानी ही फिरेगा।*

# लोक संस्कृति की पहचान संझा अब लुप्त होने के कगार पर

## गांवो मे भी नही सुनाई देती संझा गीतो की गुंज

*निर्मल मूंदड़ा रतनगढ ! हमारे भारत मे प्राचीन काल से ही विभिन्न प्रकार की लोक संस्कृति एवं तीज त्यौहारो को मानने वाले लोग रहे है यहां पर तीज त्यौहारों पर मेहंदी, रंगोली, महावर, मांडने आदि बनाए जाते है। पन्द्रह दिनो तक रहती थी संझा की गुंज–भाद्रपद माह के शुक्ल पूर्णिमा से सर्वपितृ अमावस्या तक चलने वाले पंद्रह दिवसीय श्राद्ध पक्ष मे कुंआरी कन्याओं द्वारा मनाया जाने वाला मालवा मैवाड का प्रमुख लोक पर्व संझा कुंवारी कन्याओं का एक ऐसा महापर्व है जो अब पूरी तरह से धीरे धीरे विलुप्त होने के कगार पर है। कहा जाता है कि कुंवारी कन्याए अच्छे पति की कामना के लिये यह पर्व मनाती थी शहरो ही नहीं गांवो में भी*

### प्रतिदिन दिवारो पर बनाए जाते थे गोबर के भित्ति चित्र

नन्ही बालिकाओ द्वारा मनाए जाने वाले लोक संस्कृति का यह उत्सव तो इक्कठा होकर गोबर लाओ, घर के बाहर दीवार लिपकर गोबर से प्रतिदिन विभिन्न भित्ति चित्र, कोट- कंगूरे, पालकी, पलना, सीढ़ी, चांद-सूरज, फूल- पत्ते, घोड़ा-बारात, गणपति और भी न जाने कितने तरह के चित्र रोज हर घर की बाहरी दीवार पर बनाए जाते थे।और आखीरी दिन गोबर के बने विभिन्न भित्ति चित्रों को चमकीले, रंगीन कागजों से आकर्षक रूप से सजाया जाता था सभी बालिकाओ में आपस में अपनी संझा को सुंदर और आकर्षक बनाने की होड लगी रहती थी आखिर मे संझा को अमावस्या के अगले दिन पूजा अर्चना कर नदी में विसर्जित किया जाता था !

*इक्का दुक्का घरो मे ही अब संझा लोक पर्व की गूंज सुनाई देती है मध्यप्रदेश के मालवा, निमाड़, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र आदि क्षेत्रो में कुंवारी कन्याओं के द्वारा बड़े उत्साह एवं उमंग के साथ यह लोकपर्व मनाया जाता रहा है श्राद्ध पक्ष के पहल ही दिन से सोलह दिन तक मनाया जाने वाले संझा लोकपर्व के अवसर पर कन्याओ की आस्था, विश्वास और आकांक्षाए दिवारो पर बनाए जाने वाले विभिन्न प्रकार के माण्डनो, के माण्डनो, भित्ति चित्रों, लोक चित्रकारी के माध्यम से आदिशक्ति के विभिन्न स्वरुपो माता पार्वती, गोरा, दुर्गा आदि की पूजा अराधना के निमित्त जानी पहचानी जाती थी। गांवो मे प्रतिदिन शाम होते ही मोहल्ले में कन्याएं अपने घरो ी दिवारो पर लाल पीली मिट्टी से लीप कर गाय, भैंसक का ताजा गोबर ढूंढ कर प्रतिदिन संझा की विभिन्न प्रकार की सुंदर आकृतियां दिवारो पर बनाकर उसे कनैर, गुलाब, चांदनी, चंपा, चमैली, मोगरा आदि के फूलो से सजाती थी और संझा गीत गाती थी। और समुह मे एक दूसरे के घर घर जाकर संझा की आरती कर प्रतिदिन अलग अलग तरह का प्रसाद बांटती थी। और कुछ इस तरह के गीत गुनगुनाती थी संझा तू थारे घर जा,कि थारी बई मारेगा,कि कुटेगा कि डेरी में डचोकेगा ले संझा आरती, आरती मे जीरो, जीरा मे राई..राज करे भोजाई... आदि और भी कई गीतो से अराधना की जाती थी पर विडम्बना देखिये कि आज वास्तव में संझा हमेशा के लिए अपने घर को चली गई है*

## सांझी/संझया माई/संझा देवी

सांझी पर्व प्रमुख पर्व है जो भाद्रपद की पूर्णिमा से अश्विन मास की अमावस्या मनाया जाता है। राजस्थान,गुजरात, ब्रजप्रदेश, मालवा, निमाड़ हरियाणा तथा अन्य कई क्षेत्रो में मनाया जाने वाला त्यौहार है। हरियाणा में कई पर्व एक के बाद आते है और सब जगह रौनक व उत्साह छाया रहता है। पहले श्राद्ध पूजा, फिर सांझी पर्व की शुरूआत, साथ साथ मे नवरात्री, फिर रामलीला प्रस्तुति, अंत मे भव्य झांकियां और दशहरा पर्व के दिन ही (सोलह दिन के अंत मे अमावस्या को) संझा देवी को विदा किया जाता है।फिर कुछ भजन संगीत के बाद अंत मे आरती की जाती है। हर दिन अलग घर की अलग प्रकार की प्रसाद सामग्री बांटने की बारी आती है। महिलाएं बच्चे लड़कियां सब में खूब उत्साह देखने को मिलता है।

अंत के पाँच दिनों में हाथी–घोड़े, किला–कोट, गाड़ी आदि की आकृतियाँ बनाई जाती हैं। सोलहवें दिन अमावस्या को संझा देवी को दीवार से उतारकर मिट्टी के घड़े में बिठाया जाता है। उसके आगे तेल या घी का दिया जलाते हैं। फिर सभी मिलकर संझा देवी को गीतों के साथ विदा करने जाते हैं। विसर्जन करने जाते समय पूरे रास्ते सावधानी बरती जाती है क्योंकि रिवाज है कि नटखट लड़के घड़े को फोड़ने का प्रयास करते रहेंगे, लेकिन सभी लड़कियों को विसर्जन करने तक घड़े की रक्षा करनी होती है। पूरे रास्ते भर हंसी–ठिठोली, नाच, गीत किया जाता है। संझा माई को विदा करने के बाद प्रसाद बांटा जाता है।

# स्कुल फीस को लेकर अभिभावक मंच का हुआ गठित

दशहरा मैदान स्थित गांधी वाटिका में नो स्कूल–नो फीस के लिए बैठक आयोजित की गई। इसमें कलेक्टर व जनप्रतिनिधियों से फीस माफी को लेकर चर्चा करने के बाद भी कोई ठोस कदम नहीं उठाए जाने पर विचार–विमर्श किया गया। साथ ही सभी द्वारा सर्वानुमति से अभिभावकों की समस्या के निराकरण के लिए जिला अभिभावक मंच का गठन किया गया। इसमें विकास गोयल, मुकेश गर्ग, नीलेश कोठारी, मनीष मारू, दिलीप शर्मा, आशीष मेहता, श्रीकांत खंडेलवाल, पंकज गोयल, विवेक सोनी, गजेंद्र चावला, पीयूष जाट, मयंक जाट, आशा सांभर और रूखसाना बी को शामिल किया गया। यह मंच प्राथमिक तौर पर प्रायवेट स्कूलों द्वारा कोरोना संक्रमण काल में नियम विरुद्ध अभिभावकों से की जाने वाली फीस मांग को लेकर आंदोलन करेगा। इस दौरान अभिभावकाकी शिक्षा संबंधी अन्य समस्याओं का निराकरण भी किया जाएगा। मंच के शशिकांत दुबे ने बताया कि कोरोना संक्रमण के कारण सभी शैक्षणिक संस्थाएं बंद हैं, वहीं निजी शिक्षण संस्थाओं द्वारा वर्तमान में ऑनलाइन पढ़ाई और कोचिंग का हवाला देकर फीस की मांग की जा रही है। यह फीस निर्धारित तय फीस से डेढ़ गुना अधिक है। कोरोना संक्रमण और लॉकडाउन से हर व्यक्ति आर्थिक रूप से कमजोर हो चुका है। इस प्रकार वर्तमान में निजी स्कूलों द्वारा फीस की मांग करना अभिभावकों पर बड़ा बोझ डालने वाला प्रतीत हो रहा है। मंच गठित होने के बाद बैठक में शहर में विभिन्ना जगहों पर स्कूलों की फीस माफी के लिए अभिभावकों से फॉर्म भरे जाएंगे और उन्हें एकत्रित कर कलेक्टर को सौंप उनसे फीस माफी की मांग की जाएगी।

# कोराना योद्धा शिक्षकों का सम्मान किया

नीमच। इनरव्हील क्लब नीमच केंट द्वारा शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में शनिवार को कोरोना योद्धा शिक्षकों का सम्मान किया। वर्तमान समय में कोरोना महामारी के चलते कई शिक्षक कंटेनमेंट एरिया में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। इनरव्हील क्लब द्वारा ऐसे कोरोना योद्धा शिक्षकों को सम्मानित कर उनका हौसला बढ़ाकर, उन्हें प्रशस्ति चि– दिया गया। उल्लेखनीय है कि शिक्षा के क्षेत्र में मीना मनावत कई साला से अपनी सेवाएं दे रही हैं और इन्हें राष्ट्रपति पुरस्कार से भी सम्मानित किया जा चुका है। श्वेता जोशी अतिथि शिक्षक हैं और सभी को योग सिखाती है। इसके साथ ही गायत्री शर्मा, नीला व्यास, चंचल श्रीवास्तव व कमला जायवाल को क्लब द्वारा सम्मानित किया गया है। इस अवसर पर क्लब की अध्यक्ष अर्चना तिवारी, सचिव पायल गर्ग, निर्मला सोनगरा, प्रीति पराशर व सारिका जायसवाल सहित अन्य मौजूद थी।

# नीमच कृषि मंडी अनिश्चित काल के लिए बंद

5 सितम्बर। संयुक्त संघर्ष मोर्चा संघ के बैनर तले मंडी कर्मचारीयो की हड़ताल दिनांक 3 सितंबर से अनवरत जारी है,, संयुक्त मोर्चा के बैनर तले भोपाल में कर्मचारी संघ की विशाल महारैली के पश्चात भी शासन द्वारा अभी तक कोई ठोस आश्वासन नहीं दिया है,, इसलिए आगे भी निरन्तर कर्मचारियों की हड़ताल जारी रहेगी,, सभी किसान बंधुओं को सूचित किया जाता है कि सोमवार से भी मंडी प्रांगण में नीलामी नहीं होगी,, अतः हमारे किसान बंधु परेशान ना हो,, इस हेतु यह प्रेस नोट जारी कर किसानों से अपील हे की अपनी कृषि उपज मंडी प्रांगण में लेकर नहीं आए,, क्यों की पूरे प्रदेश के साथ साथ नीमच जिले की समस्त मंडीया अनिश्चित काल के लिए बंद रहेगी !

उपरोक्त बात कर्मचारी संघर्ष मोर्चा के प्रदेश महामंत्री विजय सिंह जी चौहान, जिला संरक्षक सुनिल भसीन,जिला अध्यक्ष अनिल सिंह परिहार, मंडी कर्मचारी संघ अध्यक्ष राजेश सिंहल, ने संयुक्त रुप से कही है,, निवेदक संयुक्त कर्मचारी संघ मोर्चा कृषि उपज मंडी समिति नीमच

# अज्ञात बदमाश ने मोदी टेलर की दुकान के चटकाएं ताले,

## राहगीरों के अचानक आने पर चोर के मंसूबों पर फिरा पानी

नीमच। बीती रविवार की पुलिस गश्त शुरू होने से पहले ही एक अज्ञात बदमाश ने सुनसान सड़क एवं रात का अंधेरे का फायदा उठाते हुए रात 11.45 बजे के करीब ही स्थानीय अम्बेडकर रोड स्थित हाई सेकण्डरी स्कूल क्रमांक 2 से लगी मोदी टेलर की दुकान के ताले चटकाते हुए चोरी करने की नाकाम कोशिश की। हालांकि यह बदमाश शटर के ताले एवं अंदर लगे कांच को तोड़ने के बाद दुकान में प्रवेश कर गया था। लेकिन इस बीच उधर से गुजर रहे राहगीरों को शंका होने के बाद वह दुकान के पास पहुँच गए। जिसकी भनक इस बदमाश को लगते ही वह राहगीर कुछ समझ पाते चोर उनके सामने से हायर सेकण्डरी स्कूल में खाली हाथ ही दौड़ लगा गया। और इस प्रकार एक बार फिर बड़ी चोरी की वारदात होने से बच गई।जानकारी के मुताबिक जब यह बदमाश दुकान के ताल तोड़ने के बाद वह बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम देने के लिए दुकान में घुसा था।इसी बीच मोदी टेलर के पास ही स्थित फैशन मेकर के संचालक एवं जवाहर नगर निवासी नोशाद भाई एवं उनकी पत्नी रात को भोजन करने के बाद पैदल ही टहलने निकले थे। जब ये दोनों पति पत्नी एक राउंड लेने के बाद वापस अपने घर के लिए जा रहे थे कि तभी उन्हें दुकान के अंदर से कुछ खटपट की आवाज सुनाई दी। जिसे लेकर वह वहां रुके और शंका होने पर वे दोनों दुकान के समीप पहुँच कर आवाज दी। जैसे ही यह भनक इस बदमाश को लगी तो तुरंत ही तेज रफ्तार से दुकान से निकल कर हायर सेकण्डरी स्कूल में भाग निकला। जिसके बाद नोशाद भाई ने मौके से ही फोन लगाकर इस बातकी जानकारी अशोक मोदी को दी। जिसके तुरन्त बाद अशोकमोदी अपने परिवार सहित वहां पहुँच गए तथा पुलिस को इस घटना से अवगत कराया। ततपश्चात मौके पर पहुँची पुलिस ने चोर की धरपकड़ करने के लिए खोजबीन शुरू की। लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी और यह बदमाश रात के अंधेरे का फायदा उठाते हुए भाग

**चोरी करने के औजार मौके पर ही छोड़ भागा बदमाश–**

दुकान पर चोरी करने आये बदमाश की भनक राहगीरों को लगने के बाद जब वह अपने मकसद में कामयाब नहीं हो पाया तथा अपने पकड़े जाने के डर से वह अपने साथ लाया औजार एक लोहे की मोटी राड, चप्पल एव मास्क वहीं छोड़ भाग गया। **सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई सारी करतूत–**

चोरी की नीयत से वहां पहुँचे इस बदमाश ने अपने पकड़े जाने के डर से एक चालाकी करने की पूरी कोशिश की। जहां उसने सबसे पहले वहां लगे सीसीटीवी कैमरों को मोड़ दिया ताकि उसकी करतूत कैमरे में कैद ना हो। बावजूद इसके उसकी यह होशियारी काम नहीं कर पाई और उसके द्वारा कारित की गई यह सारी घटना कैमरे में कैद हो गई। जिसमें पहले वह धीरे–धीरे मौका देख वहाँ पहुँचा तथा बाद में ताले भी चटका दिए। जिसके बाद वह दुकान में प्रवेश भी कर गया। बाद में जब राहगीरों की आवाज सुन भागा जब वह कैमरे की जद में होकर साफ दिखाई दिया। अब पुलिस इसी सीसी कैमरे में कैद हुई तस्वीर के माध्यम से बदमाश की तलाश में जुट गई।

# कोविड सेंटर से फरार एनडीपीएस का अपराधी पुलिस गिरफ्त मे।

7 सितम्बर। नीमच । थानाा नारकोटिक्स सेल इंदौर प्रकोष्ठ नीमच के अप. क्रमांक 59ध्20 –8ध्18 एन डी पी एस केआरोप में जिले के गांव का रहने वाला चौकीदार पिछले दिनों 7 किलो 200 ग्राम अफीम के साथ कालू सिंह पिता मान सिंह निवासी जावी को नारकोटिक्स विंग द्वारा एनडीपीएस की धारा में गिरफ्तार किया गया था, उसका पुलिस रिमांड खत्म होने पर न्यायालय में पेश किया गया था जहां से जेल रिमांड स्वीकृत हुआ था क्योंकि जांच में उसको कोरोना पॉजिटीव पाया गया था ,नारकोटिक्स विंग ने नीमच के ट्रामा सेंटर के आइसोलेशन वार्ड कोविड सेंटर में एडमिट किया था वहां से 1 सितंबर को वह हथकडी निकाल कर फरार हो गया था उसको राजस्थानके डोरिया चौराहे पर गांव के बाहर मंदिर के पास से आज नारकोटिक्स विंग की टिम ने गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त करी हे। उक्त आरोपी कारू सिंह पर हथकडी निकाल कर भागने पर अपराध क्र.378/2020 धारा 224 भादवि पंजिबध्द किया था। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक द्वारा पूरी टीम को पुरस्कृत करने के हेतु बताया गया। निरीक्षक बीएल सोलंकी द्वारा प्राप्त मुखबिर की सूचना पर हमराह फोर्स उनी मोअब्दुल रऊफ खान, प्र आर केके परिहार, आर जावेद खान ,आर 48नंदकिशोर वर्मा, आर 47दीपक पटेल , आर राहुल जैन, आर 45लाखन सिंह ,आर 31वीरेंद्र सिंह ,आर 36 निरंजन सिंह ,आर 53 विकास आर्य, सभी का सहयोग सराहनीय रहा।

# अतिक्रमण हटाने पहुंचे सीएमओ, क्षेत्रवासियों ने की अभद्रता

## पुलिस की उपस्थिती में नपा ने मूक्त कराया अमिक्रमण

शहर के नीमच सिटी रोड पर अतिक्रमण हटाने पहुंचे मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ) सीपी राय के साथ क्षेत्रवासियों ने अभद्रता की। इस पर पुलिस की मौजूदगी में अतिक्रमण हटवाया गया। उल्लेखनीय है कि शहर के नीमच सिटी रोड स्थित कल्याणेश्वर महादेव मंदिर के सामने दरगाह के पास कुछ लोग और उनके परिजनों ने नगर पालिका की बेशकीमती जमीन पर अतिक्रमण कर रखा था। उन्होंने यहां गुमटी रखकर उसकी आड़ में धीरे–धीरे पक्का निर्माण भी करना शुरू कर दिया था, जबकि उपरोक्त भूमि नगर पालिका की होकर महिला एवं बाल विकास को वन स्टॉप सेंटर बनाने के लिए आवंटित की गई है। शनिवार को सीएमओ सीपी राय नपा की टीम और पुलिस बल को लेकर अतिक्रमण हटाने पहुंचे।नपा कर्मचारियों ने उक्त भूमि पर लाइन डालकर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू की तभी अतिक्रमणकर्ताओं ने नपा के कर्मचारियों के साथ अभद्रता करते हुए गाली–गलौज करना शुरू कर दिया, वहीं अतिक्रमणकारी परिवार के एक सदस्य ने तो सीएमओ राय के साथ अभद्रता भी की, लेकिन मौके पर पुलिस होने से उक्त व्यक्ति मौके से फरार हो गया। सीएमओ राय ने बताया कि उक्त भूमि महिला एवं बाल विकास विभाग को आवंटित की गई है। इस पर विभाग द्वारा वन स्टॉप सेंटर बनाया जाना प्रस्तावित है। सूचना मिली थी कि कुछ अतिक्रमणकारियों ने जमीन पर अवैध अतिक्रमण कर रखा है। मौके पर पहुंचकर करीब 300 स्क्वायर फीट से अधिक जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराया है।

## फिल्मी दुनिया

# कंगना पर भड़के राउत, – मुंबई को मिनी पाकिस्तान कहा,

**एक इंटरव्यू के दौरान कंगना के लिए राउत अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया।**

सुशांत सिंह राजपूत की मौत के मामले में बयानजारी का दौर जारी है। अभिनेत्री कंगना रनोट और शिवसेना प्रवक्ता संजय राउत की बीच भी तीकी नोंकछोक हो रही है। ताजा बयान संजय राउत का है। शिवसेना नेता ने रविवार को कहा कि यदि वो लड़की (कंगना रनोट) महाराष्ट्र से माफी मांगती है तो मैं भी माफी मांगने पर विचार कर सकता हूं।उसने मुंबई को मिनी पाकिस्तान कहा है। क्या अहमदाबाद के बारे में वो ऐसाकर सकती है? बता दें, संजय राउत पर आरोप है कि उन्होंने एक इंटरव्यू केदौरान कंगना रनोट के लिए अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया। संजय राउत के उस इंटरव्यू के बाद कंगना रनोटने ट्वीट पर लिखा था,२००८ में फिल्मी माफिया ने मुझे मनोरोगी कहा। २०१६ में मुझे तरह-तरह के नाम दिए गए। २०२० में महाराष्ट्र के एक मंत्री ने सार्वजनिक रूप से मुझे गाली दी, क्योंकि एक हत्या के बाद मैंने कहा कि मैं मुंबई में असुरक्षित महसूस कर रही हूं।असहिष्णुता के बयानवीर कहां हैं? कंगना रनोट का यह बयान राजनीतिक विश्लेषक माधव शर्मा के एक ट्वीट क बाद आया है। शर्मा ने कहा, संजयंराउत कह रहे हैं कि कंगना रनोट ने शिवाजी महाराज के खिलाफ बातें की हैं। यह गलत है। कंगना रनोट ने महान शिवाजी के खिलाफ कोई बात नही की है। सत्ता में बैठे लोगों द्वारा एक महिला को सार्वजनिक रूप से गाली दी जा रही है और तथाकथित अभिव्यक्ति की आजादी के योद्धा एक शब्द नहीं कह रहे हैं। यह शर्मनाक है। राउत के इंटरव्यू वाला वीडियो भाजपा सदस्य मेजर सुरेंद्र पूनिया ने ट्वीट किया है। इसे बाद में कंगना ने भी रीट्वीट किया है।

# तारक मेहता का उलटा चशमा पर फिल्म बनाने की थी प्लानिंग

*सब टीवी का लोकप्रिय कॉमेडी शो तारक मेहता का उल्टा चश्माश लगातार चर्चा में है। सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या दया बेन के रूप मे दिशा वकानी की एंट्री होगी? इस बीच, शो लेकर और रोचक बात सामने आई है। तारक मेहता का उलटा चश्मा के निर्माता असित मोदी शो पर आधारित फिल्म बनाना चाहते थे। उन्होंने अपना यह प्लान क्लंइमद के साथ शेयर किया था। वो भी बहुत रोमांचित थीं। इस बार में एक बार असित मोदी ने कहा था, टीवीधारावाहिक में हम सभी प्रकार के टेस्ट शामिल करते हैं और परिस्थितियों को बनाते हैं, लेकिनजब फिल्म मीडिया की बात आती है, तो हमें दर्शकों को बांधे रखने और उनका मनोरंजन करने के लिए एक कहानी होनी चाहिए। उन्होंने आगे कहा था. टीवी टीवी है और फिल्म फिल्म है। हमें पहले एक बड़ी स्क्रीन के लिए उपयुक्त सामग्री चाहिए। एक बार जब हम उस पर काम करते हैं, तो हम निश्चित रूप से तारक मेहता का उलटा चशमा की टीम के साथ उस मीडिया में जा सकते हैं। असित मोदी ने यह बात 2010 में कही थी जब वह कुछ कलाकारों के साथ एक गरबा कार्यक्रम में भाग लेने अहमदाबाद आए थे।*

## बिजनेस / टेक्नॉलॉजी

# घरेलू वायदा बाजार में सोने क दाम मे रही मंदी

*निर्पेन्द्र यादव वरिष्ठ विश्लेषक स्वस्तिका इंवेस्टमार्ट घरेलु वायदा सोना–चांदी मे चार सप्ताह से चल रही मंदी पिछले सप्ताह भी कायम रही, हालांकि शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के स्थिर रहने और शेयर बाजारों में गिरावट के चलते कीमती धातुओं मे हल्का सुधार हुआ है । अमेरिकी डॉलर के गिरावट के साथ सोने में मामूली वृद्धि हुई, जो एक अनिश्चित आर्थिक दृष्टिकोण और उम्मीदों के परिणाम स्वरूप प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले कुछ हद तक ठीक हुआ है। लेकिन, रोजगार बाजार मे सुधार होने से कीमती धातुओं मे दबाव भी बना। भारत में मानसून अनुमान से बेहतर रहा है जिससे घरेलू बाजार मे सोने की हाजर मांग को समर्थन मिल सकता है। फेडरल रिजर्व द्वारा बेंच मार्क ब्याज दरों काआगामी वर्षों तक कम रखने की खबरें की उम्मीद भी सोने का समर्थन कर रही है। श्रम बाजार में स्थिर विकास दर चिंताएं एवं अनिश्चितता पैदा कर रही हैं और सोने का समर्थन कर रही हैं।*

*हालांकि, वैश्विक अर्थव्यवस्था मे गति आना और अमेरिका –चीन व्यापार पर पुनः बातचीत सोने के भाव को दबाव मे रख रही है। पिछले सप्ताह भारतीय और अमेरिकी शेयर बाजारों में गिरावट और सभी प्रमुख प्रौद्योगिकी शेयरों में बिकवाली ने सोने की कीमतों मे सुधार किया है। भारत मे कोवीड –19 के कारण प्रथम तिमाही की जीडीपी मे जबर्दस्त गिरावट और इसका निरंतर बढ़ता हुआ ग्राफ, कीमती धातुओं के भाव को समर्थन दे रहा है।अमेरिका से जारी होने वाले पैरोल और निजी पैरोल के मासिक आंकड़े मजबूत दर्ज किये गए जिससे सप्ताह के अंत तक सोने और चांदी के भाव मे फिर से गिरावट देखने को मिली। घरेलू वायदा सोना सप्ताह मे 1.75 प्रतिशत तथा चांदी मे 3 प्रतिशत की मंदी दर्ज की गई है। डॉलर सूचकांक मे पिछले सप्ताह करीब 1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। आगामी संभावना रू इस सप्ताह अक्टूबर वायदा सोने के भाव में मंदी रह सकती है और इसमे 48,500 रुपये के निचले स्तर पर समर्थन तथा 51,000 रुपये के ऊपरी स्तर पर प्रतिरोध है। चांदी दिसंबर वायदा के भाव सीमित दायरे में रहने की संभावना है और इसमें 66,000 रुपये पर समर्थन और 67,500 रुपये पर प्रतिरोध है। प्रमुख आंकड़ेरू इस सप्ताह वैश्विक अर्थव्यवस्था से जारी होने वाले प्रमुख आंकड़े जिनमे, गुरुवार को यूरोपियन सेंट्रल बैंक की मॉनेटरी पॉलिसी, अमेरिकी बेरोजगारी के दावे, पीपीआई तथा शुक्रवार को सीपीआई के आंकड़े प्रमुख है।*

## घरेलू वायदा बाजार में सोने के दामों में रही मंदी, अगले सप्ताह का संभावित बाजार

*निर्पेन्द्र यादव वरिष्ठ विश्लेषक स्वस्तिका इंवेस्टमार्ट घरेलु वायदा सोना–चांदी मे चार सप्ताह से चल रही मंदी पिछले सप्ताह भी कायम रही, हालांकि शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के स्थिर रहने और शेयर बाजारों में गिरावट के चलते कीमती धातुओं मे हल्का सुधार हुआ है । अमेरिकी डॉलर के गिरावट के साथ सोने में मामूली वृद्धि हुई, जो एक अनिश्चित आर्थिक दृष्टिकोण और उम्मीदों के परिणाम स्वरूप प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले कुछ हद तक ठीक हुआ है। लेकिन, रोजगार बाजार मे सुधार होने से किमती धातुओं मे दबाव भी बना। भारत में मानसून अनुमान से बेहतर रहा है जिससे घरेलू बाजार मे सोने की हाजर मांग को समर्थन मिल सकता है। फेडरल रिजर्व द्वारा बेंच मार्क ब्याज दरों को आगामी वर्षों तक कम रखने की खबरें की उम्मीद भी सोने का समर्थन कर रही है। श्रम बाजार में स्थिर विकास दर चिंताएं एवं अनिश्चितता पैदा कर रही हैं और सोने का समर्थन कर रही हैं। हालांकि, वैश्विक अर्थव्यवस्था मे गति आना और अमेरिका –चीन व्यापार पर पुनः बातचीत सोने के भाव को दबाव मे रख रही है। पिछले सप्ताह भारतीय और अमेरिकी शेयर बाजारों में गिरावट और सभी प्रमुख प्रौद्योगिकी शेयरों में बिकवाली ने सोने की कीमतों मे सुधार किया है। भारत मे कोवीड –19 के कारण प्रथम तिमाही की जीडीपी मे जबर्दस्त गिरावट और इसका निरंतर बढ़ता हुआ ग्राफ, कीमती धातुओं के भाव को समर्थन दे रहा है। अमेरिका से जारी होने वाले पैरोल और निजी पैरोल के मासिक आंकड़े मजबूत दर्ज किये गए जिससे सप्ताह के अंत तक सोने और चांदी के भाव मे फिर से गिरावट देखने को मिली। घरेलू वायदा सोना सप्ताह मे 1.75 प्रतिशत तथा चांदी मे 3 प्रतिशत की मंदी दर्ज की गई है। डॉलर सूचकांक मे पिछले सप्ताह करीब 1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। आगामी संभावना रू इस सप्ताह अक्टूबर वायदा सोने के भाव में मंदी रह सकती है और इसमे 48,500 रुपये के निचले स्तर पर समर्थन तथा 51,000 रुपये के ऊपरी स्तर पर प्रतिरोध है। चांदी दिसंबर वायदा के भाव सीमित दायरे में रहने की संभावना है और इसमें 66,000 रुपये पर समर्थन और 67,500 रुपये पर प्रतिरोध है। प्रमुख आंकड़ेरू इस सप्ताह वैश्विक अर्थव्यवस्था से जारी होने वाले प्रमुख आंकड़े जिनमे, गुरुवार को यूरोपियन सेंट्रल बैंक की मॉनेटरी पॉलिसी, अमेरिकी बेरोजगारी के दावे, पीपीआई तथा शुक्रवार को सीपीआई के आंकड़े प्रमुख है।*

# ट्रम्प को भारतीयों से जीत की उम्मीद

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनान्ड ट्रप ने एक बार फिर भारत के प्रधानमंत्री को अपना मित्र कहा। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के अभियान के बीच राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने एक बार फिर भारत के प्रधानमंत्री को अपना मित्र कहा ट्रम्प अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में भारतीय वोटरों को लुभाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। उन्होंने भारत के लोगों की प्रशंसा करते हुए कहा कि यहां के लोग महान हैं और उन्होंने एक शानदार नेता को चुना है। भारत के पीएम मोदी मेरे मित्र हैं और वे अच्छा काम कर रहे हैं। मुझे विश्वास है कि भारतीय–अमेरिकी मुझे वोट देंगे। मीडिया ब्रीफ्रिंग के दौरान डोनाल्ड ट्रम्प ने संवाददाताओं से कहा कि प्रधानमंत्री मोदी मेरे एक बहुत अच्छे मित्र हैं।

बहुत मुश्किल हालात में भी वह बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। यह एक बुरा वक्त है और सब कुछ कर पाना बहुत आसान नहीं है। राष्ट्रपति ट्रंप के इस बयान के राजनीतिक निहितार्थ भी है। मीडिया ब्रीफ्रिंग के दौरान ट्रंप ने एक बार फिर यह सिद्धकिया है कि भारत से उनके संबंध सदैव प्रगाढ़ बने रहेंगे। उन्होंने यह संकेत दिया कि वे भारत के अच्छे दोस्त हैं और वह हर मुश्किल वक्त पर भारत के साथ खड़े हैं। भारत– चीनविवाद सुलझाने में बार फिर यह सिद्ध बार फिर

यह सिद्धट्रंप ने कहा कि भारत–चीन के बीच चल रहे सीमा विवाद को सुलझाने में मदद के लिए अमेरिका तैयार है। उन्होंने कहा, यदि हम भारत और चीन के संबंध सुधारने में कुछ भी कर सकते हैं तो हमइसमें शामिल होना पसंद करेंगे। ट्रंप ने हाउडी मोदी कार्यक्रम की यादें भी ताजा की इस दौरान राष्ट्रपति ट्रंप ने ह्यूस्टन महाउडी मोदी कार्यक्रम की यादें भी ताजा की। उन्होंने कहा कि वह शानदार घटना थी। बता दें कि 21 सितंबर, 2019 को अमेरिका के ह्यूस्टन में हाउडी मोदी कार्यक्रम में दोनों नेताओं की मुलाकात हुई थी। 50 हजार से ज्यादा भारतीय–अमेरिकियों को डोनाल्ड ट्रंप और पीएम नरेंद्र मोदी ने संबोधित किया था।

## चीनी रक्षा मंत्री ने जताई राजनाथ सिंह से मुलाकात की इच्छा

चीन के रक्षा मंत्री जनरल वेई फेंघे ने भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात करने की इच्छा जताई है। भारत और चीन के बीच सीमा पर चल रहे तनाव के बीच चीन के रक्षा मंत्री जनरल वेई फेंघे ने भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात करने की इच्छा जताई है। मॉस्को में चल रहे शंघाई सहयोग संगठन की बैठक के इतर जनरल वेई ने राजनाथ सिंह से मुलाकात की इच्छा जताई है। अभी भारत ने इस मामले में कोई जवाब नहीं दिया है। की आज होने वाली बैठक में हिस्सा लेने के लिए राजनाथ सिंह और वेई फेंघे यहां पहुंचे हुए हैं। चीन द्वारा मुलाकात के लिए की गई पेशकश के संबंध में कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। पहले ऐसी मीडिया रिपोर्ट्स थी कि राजनाथ सिंह इस बैठक के दौरान वेई फेंघे से मुलाकात नहीं करेंगे। चीन और भारत के सैनिकों के बीच 15 जून को गलवान घाटी में हिंसक झड़प हुई थी। इस झड़प में भारत के 20 जवान शहीद हुए थे जबकि चीन के 43 सैनिक हताहत हुए थे। इसके बाद चीनी सैनिकों ने 29–30 अगस्त को पैंगोंग झील के दक्षिण हिस्से में भारतीय सीमा में घुसपैठ की कोशिश की थी, जिसे भारतीय सैनिकों ने नाकाम कर दिया था। दोनों देशों के बीच काफी समय से लगातार बैठकें चल रही थी राजनाथ सिंह की रूसी रक्षा मंत्री से हुई मुलाकात – राजनाथ सिंह और रूसी रक्षा मंत्री जनरल सेर्गेई शोइगू के बीच गुरुवार को मुलाकात हुई। यह बैठक करीब एक घंटे तक चली। इस दौरान दोनों देशों के बीच कई अहम मुद्दों पर चर्चा हुई। भारत के रक्षा मंत्रालय ने ट्वीट कर लिखा, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने रूस के रक्षा मंत्रालय में रूसी रक्षा मंत्री जनरल सेर्गेई शोइगू के साथ एक घंटे की बैठक की। बैठक में दोनों देशों के बीच सहयोग के क्षेत्रों की एक विस्तृत श्रृंखला को कवर किया गया।

## मध्य प्रदेश में कोरोना से दूसरों को बचाने वाले 10 संविदा स्वास्थ्य कर्मियों की मौत

मध्य प्रदेश में कोरोना संक्रमण से नागरिकों को बचाने वाले 10 संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी खुद अपनी जान गंवा चुके हैं। सात की मौत ड्यूटी के दौरान कोरोना संक्रमण से और 3 की ड्यूटी के दौरान हादसों में हुई है। इन सभी कर्मचारियों की मौत मई से सितंबर के बीच हुई है। इनमें से अब तक सिर्फ एक कर्मचारी के परिवार को ही 50 लाख रुपये की मदद मिली है। बाकी 9 परिवारों को मदद का इंतजार है। ज्ञात हो कि कोरोना संक्रमण की रोकथाम में सेवाएं देने वाले अधिकारी–कर्मचारी की संक्रमण से व ड्यूटी करते हुए मौत पर उनके परिवार को 50 लाख रुपये की बीमा राशि देने का प्रविधान है। मुख्यमंत्री कोविड–19 कल्याण योजना के तहत यह लाभ दिया जाता है। राशि नहीं मिलने से मृतक संविदा स्वास्थ्यकर्मियों के परिजन आर्थिक रूप से परेशान हैं। मुख्यमंत्री व मुख्य सचिव को 5 सितंबर को पत्र लिखकर मृतक संविदाकर्मियों के परिवार को 50 लाख रुपये की मदद व एक सदस्य को अनुकंपा नियुक्ति देने की मांग की है। – सौरभ सिंह अध्यक्ष मप्र संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी


अधिक खबरों के लिए प्ले स्टोर से हमारा एप्प डॉउनलोड करे और पाए क्षैत्र ,देश व दुनिया की हर खबर
सबसे पहले , सबसे तेज।

नीमच हेडलाइंस

सम्पर्क – 9893796737


# एलएसी पर हालात गंभीर , हर चुनौती के लिए सेना तैयार -नरवणे

थलसेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे ने कहा कि पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा एलएसी पर हालात नाजुक है। चीन के साथ सीमा पर तनावपूर्ण संबंधों के बीच लद्दाख पहुंचे थलसेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे ने कहा कि पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा एलएसी पर हालात नाजुक है। उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय सेना चीन की चुनौती का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार है। दो दिवसीय दौरे के दूसरे दिन लेह में मीडिया से बातचीत में थलसेना प्रमुख जनरल नरवणे ने कहा कि वास्तविक नियंत्रण रेखा पर चीन की हरकतों को देखते हुए सुरक्षाको पुख्ता बनाने केलिए हरसंभवकदमउठाए गए है।

हरकतों को देखते हुए भारत ने इस क्षेत्र में अतिरिक्त बल और हथियारों की तैनाती को बढ़ा दिया है। उल्लेखनीय है कि चीन द्वारा पैंगोंग झील के दक्षिणीकिनारपर यथास्थिति को बदलने की विफल कोशिशों के चलते हालात तनावपूर्ण हैं। क्षेत्र में सेना की उचित तैनाती की गई है और हमारे अधिकारी एवं जवान हर प्रकार के हालात का सामना करने में सक्षम हैं।

जनरल नरवणे ने कहा, इस समय अग्रिम इलाके में सेना के अधिकारियों व जेसीओ बुलंद हौंसले के साथ चुनौतियों का सामना करने की मुहिम पर हैं।उनसे मिलने के बाद मुझे पूरा यकीन है कि वे हर हाल में देश व सेना का नामरोशन करेंगे। दौरे के दूसरे दिन शुक्रवार को आर्मी चीफ ने अग्रिम इलाकों का दौरा कर चीन ऑपरेशनल तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने एलएसी पर चीन की चुनौतियों का सामना कर रहे जवानों से भी बातचीत की। आर्मी चीफ आज पूर्वी लद्दाख के फील्ड कमांडरों से सेना की रणनीति पर विचार विमर्श करने के बाद दिल्ली लौट जाएंगे।

स्वत्वाधिकारी , मुद्रक , प्रकाशक , सम्पादक अविनाश जाजपुरा के द्वारा यश प्रिन्टीगं प्रेस स्कीन नम्बर ३६ ए कलेक्टर कार्यालय के सामने से मुद्रीत एवं कार्स्मो स्कुल के पास इन्द्रा नगर नीमच से प्रकाशित / संपर्क 9893796737 (सभी विवादो को न्यायिक क्षैत्र नीमच रहेगा।)